

जायजा

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक ने गुलरिहा गांव का किया दौरा

# टेराकोटा कलाकारों की सुनीं समस्याएं, समाधान का आश्वासन

संवाद न्यूज एजेंसी

**भटहट।** भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ. सुमित शुक्ला ने शनिवार को गुलरिहा गांव के टेराकोटा कलस्टर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टेराकोटा कलाकारों की समस्याएं सुनीं और उसके निराकरण का आश्वासन दिया।

टेराकोटा कलस्टर में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित आफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (ओएफपीओ) परियोजना संचालित है, जिसमें दस निदेशक मंडल चुने गए हैं। डॉक्टर



टेराकोटा कलाकारों से बात करते ईडीआईआई के अधिकारी। - संवाद

शुक्ला ने ओएफपीओ कंपनी के प्रजापति, अंजनी देवी से बात की। निदेशक मंडल राजन प्रजापति, लक्ष्मी निदेशक मंडल के सदस्यों ने डॉक्टर

## शिल्पकारों ने इलेक्ट्रिक भट्टी की मांग की

गुलरिहा गांव में स्थित, टेराकोटा केंद्र पर उपस्थित शिल्पकार, संध्या देवी, गीता देवी, कुमारी अंजनी देवी कृष्ण मुरारी, राजकुमार, अमरनाथ, अनिल प्रजापति आदि दर्जनों कलाकारों ने सुमित शुक्ला को बताया कि लगभग दो साल पहले माटी कला बोर्ड द्वारा शिल्पकारों को आधुनिक भट्टी मुहैया कराई गई थी, जिसमें कंडी तथा लकड़ी से कलाकृतियों को पकाया जाना था, परन्तु वह भट्टी फ्लाफ हो गई है। शिल्पकारों ने इलेक्ट्रिक से पकने वाली भट्टी की मांग है।

शुक्ला से कलस्टर की मुख्य समस्याएं जैसे उत्पाद की गुणवत्ता, मार्केटिंग, उत्पाद के एक्जीक्यूशन नई नई डिजाइन और पैकेजिंग इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की। टेराकोटा में काम करने वाले शिल्पकार खुद को सामूहिक रूप से संगठित करके एक बेहतर संगठन के माध्यम से कम

कीमत पर कच्चे माल मिट्टी इत्यादि खरीद कर, अपने उत्पाद को अधिक मूल्य पर कंपनी के माध्यम से बेच सकते हैं। ओएफपीओ कंपनी का गठन टेराकोटा शिल्पकारों के सामूहिक व्यावसायिक गतिविधियों के साथ-साथ उनकी क्षमता निर्माण एवं बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए

एक मजबूत मंच प्रदान करने के लिए किया गया है।

रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि केंद्र सरकार राज्य सरकार एवं विभिन्न एजेंसियों जैसे नाबार्ड, सिडनी इत्यादि, विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करती हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि संस्थानों ने देश में और विदेशों में विभिन्न प्रकार की शोध शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास को बढ़ावा दे रहा है।

